

गुप्तसंस्कृत - ५०८९२

म. ११

५०८९७

508 १२ (पञ्चदशगविद्याज्ञाने पणिसत् ॐ)

508 १३ (महाचक्रपणिसत् ॐ)

508 १४ (आध्वनीये तृतीये पणिसत् ॐ)

508 १५ (आध्वनीये तृतीये पणिसत् ॐ)

508 १६ (कालिकोपाध्वनीये पणिसत् ॐ)

508 १७ (कालिकोपाध्वनीये पणिसत् ॐ)

वदः भवः पदः अति भवः विमः रवः मित्रं अति उग्रं ॥ इति
कंयः एभः गात्रिः प्रसिद्धः ॥ उवः नकुः भिवः ननुः ननुः ननुः
सुभः भवः ॥ मः ननुः गोपः विदुः इयः भयः भयः ॥ इति प्रगः परः
ननुः ननुः ननुः ननुः ननुः ननुः ननुः ननुः ॥ इति यः यः
मः ननुः ॥ इति यः यः यः यः यः यः यः यः ॥ इति यः यः
पः ननुः ॥ इति यः यः यः यः यः यः यः यः ॥ इति यः यः
ननुः ॥ इति यः यः यः यः यः यः यः यः ॥ इति यः यः
ननुः ॥ इति यः यः यः यः यः यः यः यः ॥ इति यः यः

१ दि उ म द उ मी ला उ प मृ वि वि क भ य डि म उ उ उ क भ य डि म
 प वं म वः ॥ मि व उ पी मृ मृ उ न वि प म ॥ ॥ प डि ध य म उ य गि व क
 भं क भ य डि क म इ न स य उ क मी र स य उ म क म ए उ प य म म
 ए म म क म स य उ म प व रि ग ल्ल नः क म इ र स म डि उ म य उ
 उ म मी म र क म ठि णी य उ क म क भ य डि उ म वि उ व य क म ॥ क
 वं उ म डि क म म वं उ मि डि क क र म म य डि उ म उ उ म क उ
 उ म म ॥ ० ॥ म वि उ च र ए मि डि ध उ म म म व म वि उ म म
 म म उ म म म डि म म उ म डि म म डि म म म म म म म म म म

श्री

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्यायः ॥ १ ॥
सत्त्वोत्थं कुरुते धर्मः प्रवृत्तिर्मात्रं ॥ १ ॥ अर्जुन उवाच ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ अर्जुन उवाच ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ अर्जुन उवाच ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ अर्जुन उवाच ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ अर्जुन उवाच ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ अर्जुन उवाच ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ अर्जुन उवाच ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ अर्जुन उवाच ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ अर्जुन उवाच ॥ १ ॥

श्री

हृत्पादं ममांगं म... चतुर्भुजं पंभनं म... लभतुः... लभवेत्
लकारं पाष... मदीहनेन म... ॥ विद्येयः...
मिहनेन प... म... मिव सुमिकुतः परभुतुप... ल...
हृत्ति... म... म... म... म... म...
पु... म... म... म... म... म...
पु... म... म... म... म... म...
म... म... म... म... म... म...
म... म... म... म... म... म...

[illegible]

क नि कं डि ने डं वि मि तु ये रु वी भ द न कं नी भ व ल क ~ म भ द नं ह
 म ये मे उ त क पि ~ ए न र स नं नी डि ~ ए एं मि त भां पी भ द भा यं
 रं नी भ नं गी भ व म क नं भ द क ७ ले रा डि पी ० भ ए व डि नी भ क
 षा मि श्री पी ० रा प गं ठे र वी मि क ल भ द डि प गं मे री ए य स भ द
 ए न ये ग नं ह वं वं रं ति भ द प नि व र ॥ उ ह व ल ~ प स र म सु वि
 सु व ल नै प रि ध पु व म ॥ १० ॥ ति र भ मि प्र भ नं दे ॥ ॥
 श्री ॥ अ ष उ ए उ व र म भ न र म मि ति प नि ड इ प्र ह ति व ह रं ॥ ए
 उ व र म उ ड क र म ॥ उ ड म भ ए व म नै ष उ उ र नै ष री ए भ ग र

कुपंष्टमद्वते **एषयकुप** भुत्रवमठगवा ग॥ एउवेममभनवमउम
हुंभदल्लवंविलेभनंपिअपु मभभुहुंउमवमीअंदिगीयभुहुं
भेभवाभभेभमिहनेनकेलंभमभुंभेभमभदभेठगुभामद्वते
भउमभभुडिहुंउंपुभभंरिवाठिकभंदिगीयंभिउकभंहुतीयं
भवकभंउहनेभकभभुडिंयद्वदिभगंविहुंभभूद्वहएउवे
मभभुत्रवमभेभमिहदिपिअभदविहुंभुगीरिहुंभमद्वते
दिप्ररेभुगीएउवेमभमिडिहउहुहुंभभभकयःमिभभे
भवभभउउपिअभभलिगीदिकेअपिअभभुडिवाहुः॥ प

भैरव

वंप्रभमभृत्तुं ल'गुव'कै'भ'गो'द्वि'त्री'यंक'भ'कल'लय'एठवे'म'भ'उठ
नेव'प'भ'अ'ने'ए'भ'न'ए'उ'उ'उ'मि'न'।।'भ'अ'मि'व'उ'भृ'उ'॥'ए'उ'भ'अ'
क'भी'क'भ'क'भ'भ'उ'क'भ'उ'उ'लि'प्र'ल'ह'म'क'उ'॥'उ'य'व'भ'न'
वा'भ'म'भ'गो'इ'उ'रु'भ'ए'व'डि'न'भ'उ'भ'प'न'ले'न'भ'इ'ल'रु'धू'रु'रु'
गो'इ'डि'प'डि'प'ह'उ'॥'गो'इ'डि'न'।।'मि'गो'इ'या'भ'इ'गि'।।'भ'पु'क'भ'कल'
लय'मे'ध'व'भ'भ'म'मि'ह'मि'न'प्र'च'ए'भ'न'वि'ह'य'भ'वर'ह'क'गी'ह'
म'क'उ'॥'प'न'भ'न'न'वि'ह'डि'प'ग'भृ'गी'भ'धू'रु'रु'ए'उ'व'म'भ'उ'उ'मि'न'
ए'उ'व'म'भ'क'र'भृ'गः'प'ग'ह'डि'म'वि'ह'न'डि'उ'गी'य'भृ'ग'इ'वि'ह'प्र'ल'ह'

श्री.

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

श्री.

कृते॥ पवमेउदिहृपूकं भदभयमेहृपूकृउहृमहृउ॥ दिवद
वैरुगवतुंभकृवमदमकृंभमगकृयकंउवैकृदिमवकंमि
कंभचगहंभचकुपंविषुउंभापंभेकृउंमहृगिरभपमिहृप
हृपिहृदिहृदिहृमपमिमाउ॥ उहृवमकृगवंश्रीमकृहृ
हृभमउडिदिहृहृमकृहृउमहृमहृवडिनीभमयपिहृ
हृभमहृपुविमलंनहृगुउयैनिहृहृप्रवयैहृगुहृपिहृभ
नयपिहृहृउंमवैहृनीहृयैनिहृहृमुहृदिहृहृमहृहृउति॥
दिहृयभउगलंरुहृडिहृगीयभपुयैहृदिहृउरुहृउति॥ अहृपू

मरुतुतं वभके ल गुरोरोपं गीद भव ह स क द न मुरोरोपं गीद
 उडे व भवे न भभट ये त द्दि उं न व ये ए यिं व क ह ह भव दं गेप
 मउ पु यं न द य ध क म भ न य धि द य न म म ये त द्दि उं म कं
 व ति ॥ अने नै व पु क ग प न द म म कं क व ति म ए रि के ल म
 उ पु य द्दि ए मउ पु य भ न ह वि मी र य नि प ए न द ॥ भ ए म
 उ पु य ग ए रो पं मउ पु यं म भ ग क के ल ध म ये ए उ म म ग उ
 गं गी द न व ये ए यि द मउ म म म कं क व ति ॥ उ उ पु म ले भ व उं म
 कं क व ति धे क म धे क म प ह भ व उं क व ति ॥ प जि वं म कं म उ द्दि

श्री.

ठवति॥ पवभेवमभिरुमेममंरहाएतुं पउत्रव'अकंमकंप्र
तिलेभेवमहाएतुंठवति॥ पवभेममंरैलेकभेद'ठवतिभगि
भ'ममकंठवतिभव'दु'पुंकंठवतिभमनभ'पि'पु'ठवति॥
पु'पुंकंठवतिभदिप्रग'पि'पु'ठवति॥ भवम'ह'ठ'भ'म'या'
ए'पु'ठवति॥ द्विउ'य'भ'म'प'रि'प्र'कं'भ'इ'ल'य'ठवतिक'भ'क
द'ए'मि'पे'रु'म'क'ल'य'उं'ठवतिभगु'पु'ठवतिदिप्र'सु'दा'पि'पि'
उं'ठवति॥ भववि'दु'वि'ली'भ'दु'या'इ'पु'ठवति॥ ७॥ इ'म'पं'भ'व'म'
ह'ठ'ल'म'रु'ठवतिभ'न'रु'ऊ'म'भ'ह'पु'कं'ठवतिभगु'पु'ठ'ठवति॥

त्रिप्रभुमदापिष्ठुंठवतिभचकदिनीश्रुयाएषुंठवति॥७
 मकुंभचगंठगुदयकंमंरुंठवतिभचमहृठि॥८॥दिमडम
 ममजियुंठवतिभमप्रमयकंठवतित्रिप्रगवामिष्टाणिष्ठुं
 ठवतिभचवमहृगीश्रुयाएषुंठवति॥९॥इगीयात्रेभचम
 भाणकंमंरुंठवतिभमचमिष्टिप्रममगीममकंठवतिभमल
 लयंठवतिभदलहृएणिष्ठुंठवतिभचममिष्टिप्रममगीमम
 ठवति॥१०॥पममचगंठकंमंरुंठवतिभचममिष्टिममजियु
 ऊंठवतिभनिगठमंरुंठवतित्रिप्रभालिष्टाणिष्ठुंठवति॥

श्री.

[illegible]

चा॥ सु० भिमैरमरूपरा॥ उमेवमरु० श्रीमरु० उ० सु० ह० भ० वि० भ०
 म० ल० भ० द० म० भ० भ० उ० इ० क० र० पी० ० भ० ए० यि० ह० उ० ह० ह० र० वि० रु० उ० प० उ० म० उ०
 न० उ० मि० ह० भ० उ० पि० ० य० र० भ० वि० ह० भ० ह॥ ३॥ प्र० भ० र० गी० भ० व० ह० ह०
 र० ० भ० प० उ० मे० वि० म० र० न० वि० ले० पि० उ० वि० नु० प० इ० मि० उ० मे० वि० ह० ने० न० म०
 र० ० ग० उ० ० ह० ह० क० ज० प्र० ज० यि० ह० भ० य० ल० ह० ह० भ० ह० ० प्र० ए० य० र० ॥ ॥
 उ० ह० ह० श्री० य० वे० सि० व० क० ग० व० गी० प० ह० म० म० वि० ह० डि० के० ० ह० दि० भ० भ० ॥
 वे० उ० न० भ० ॥ ॥ उ० ह० ह० श्री० य० वे० सि० व० क० ग० व० गी० म० क० म० भ० भ० वि० ह० उ० भ० ॥
 वे० उ० न० भ० न० भ० ॥ ०० ॥ उ० ह० ग० भ० लि० नी० वि० ह० उ० भ० वे० उ० न० भ० न० भ० ॥ उ० वि० ह०

श्री

लि व रि ट उ भु वै ॥ ०० ॥ पं मी न ङा रि ट उ भु वै ॥ ०० ॥ उं व क्रि व म
री रि ट उ भु वै ॥ ०० ॥ उं व द्ये सु री रि ट उ भु वै ॥ ०० ॥ ए मि व ङ्ग री रि
ट उ भु वै ॥ ०० ॥ ए व रि ट रि ट उ भु वै ॥ ०० ॥ इं कल भ री रि ट उ भु
वै ॥ ०० ॥ इं रि ट रि ट उ भु वै ॥ ०० ॥ पं री ल प र क रि ट उ भु वै ॥ ००
पं वि ए म रि ट उ भु वै ॥ ०० ॥ उं भ व भ र ल रि ट उ भु वै ॥ ०० ॥ उं
इ ल भ ा प रि ट उ भु वै ॥ ०० ॥ मं मि र रि ट उ भु वै ॥ ०० ॥ मः भ द रि
प र भ र री रि ट उ भु वै ॥ ०० ॥ कृ म रू र र ग ा प य म रि ट उ भु वै ॥ ०० ॥ रि मि
दि र मि र उ भु वै ॥ ०० ॥ मं मि भ मि दि भु भु वै ॥ ०० ॥ ल पि भ मि दि

ਮੁਸ਼ੈਵੈ॥੦॥ ਮਦਿ ਮਾਮਿਤਿ ਮੁਸ਼ੈਵੈ॥੦॥ ਗੰਮਿਤਿ ਮਿਤਿ ਮੁਸ਼ੈਵੈ॥੦॥
 ਵਮਿਤਿ ਮਿਤਿ ਮੁਸ਼ੈਵੈ॥੦॥ ਪ੍ਰਕੰਤੁ ਮਿਤਿ ਮੁਸ਼ੈਵੈ॥੦॥ ਤੁਤਿ ਮਿਤਿ
 ਮੁਸ਼ੈਵੈ॥੦॥ ਭੁਕਿ ਮਿਤਿ ਮੁਸ਼ੈਵੈ॥ ਪ੍ਰਾਪਿ ਮਿਤਿ ਮੁਸ਼ੈਵੈ॥੦॥ ਮਚ
 ਕਮ ਪ੍ਰਮ ਮਿਤਿ ਮੁਸ਼ੈਵੈ॥੦॥ ਸੰਭੁਤੁ ਪ੍ਰਕੰਤੁ ਮੁਸ਼ੈਵੈ॥ ਸੰਭੁਤੁ ਪ੍ਰਾਪਿ
 ਵੈਤੰਗੰਗਮः॥੦॥ ਭੰਮਾਦਿ ਸੁਗੀਤੁ ਮੁਸ਼ੈਵੈ॥੦॥ ਏਵੈ ਪ੍ਰਕੰਤੁ ਮੁਸ਼ੈਵੈ॥੦॥ ਭੰਮਾ
 ਪ੍ਰਾਪਿਤੁ ਮੁਸ਼ੈਵੈ॥੦॥ ਏਵੈ ਪ੍ਰਕੰਤੁ ਮੁਸ਼ੈਵੈ॥੦॥ ਭੰਮਾ ਪ੍ਰਾਪਿਤੁ ਮੁਸ਼ੈਵੈ॥੦॥ ਸੰਭੁਤੁ
 ਪ੍ਰਾਪਿਤੁ ਮੁਸ਼ੈਵੈ॥੦॥ ਭੰਮਾ ਪ੍ਰਾਪਿਤੁ ਮੁਸ਼ੈਵੈ॥੦॥ ਭੰਮਾ ਪ੍ਰਾਪਿਤੁ ਮੁਸ਼ੈਵੈ॥੦॥
 ਸੰਭੁਤੁ ਪ੍ਰਾਪਿਤੁ ਮੁਸ਼ੈਵੈ॥੦॥ ਭੰਮਾ ਪ੍ਰਾਪਿਤੁ ਮੁਸ਼ੈਵੈ॥੦॥ ਭੰਮਾ ਪ੍ਰਾਪਿਤੁ ਮੁਸ਼ੈਵੈ॥੦॥
 ਸੰਭੁਤੁ ਪ੍ਰਾਪਿਤੁ ਮੁਸ਼ੈਵੈ॥੦॥ ਭੰਮਾ ਪ੍ਰਾਪਿਤੁ ਮੁਸ਼ੈਵੈ॥੦॥ ਭੰਮਾ ਪ੍ਰਾਪਿਤੁ ਮੁਸ਼ੈਵੈ॥੦॥

ਸ੍ਰੀ.

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

ਪ ਕ ਦਿ ਨੀਤੁ ਐ ॥ ੦ ॥ ਟੰਗ ਮਾ ਕ ਦਿ ਨੀਤੁ ਐ ॥ ੦ ॥ ਟੰਗ ਰੁ ਕ ਦਿ ਨੀਤੁ ਐ ॥
ਟੰਗਿਤ ਕ ਦਿ ਨੀਤੁ ਐ ॥ ੦ ॥ ਟੰਗੈ ਦ ਕ ਦਿ ਨੀਤੁ ਐ ॥ ੦ ॥ ਟੰਗੁ ਟ ਕ
ਦਿ ਨੀਤੁ ਐ ॥ ੦ ॥ ਟੰਗ ਮਾ ਕ ਦਿ ਨੀਤੁ ਐ ॥ ੦ ॥ ਟੰਗੀ ਕ ਦਿ ਨੀਤੁ ਐ
ਟੰਗੁ ਟ ਕ ਦਿ ਨੀਤੁ ਐ ॥ ੦ ॥ ਟੰਗੁ ਮਾ ਕ ਦਿ ਨੀਤੁ ਐ ॥ ੦ ॥ ਟੰਗੁ ਮਾ
ਕ ਦਿ ਨੀਤੁ ਐ ॥ ੦ ॥ ੦ ॥ ਟੰਗੀ ਮਾ: ਟਿੰਗੀ ਧ ਮ ਰੁ ਸੁਗੀ ਟਿੰਗੀ ਸੁਗੀ
ਤੁਐ ਵੈ ਤੁ ਮਾ: ॥ ਟੰਗੀ ਮਾ: ਟਿੰਗੀ ਧ ਮ ਰੁ ਸੁਗੀ ਟਿੰਗੀ ਸੁਗੀ
ਟਿੰਗੀ ॥ ੦ ॥ ਟੰਗੀ ਮਾ: ਟਿੰਗੀ ਧ ਮ ਰੁ ਸੁਗੀ ਟਿੰਗੀ ਸੁਗੀ
ਮਾ: ॥ ੦ ॥ ਟੰਗੀ ਮਾ: ਟਿੰਗੀ ਧ ਮ ਰੁ ਸੁਗੀ ਟਿੰਗੀ ਸੁਗੀ

ਸ਼ੀ.

ਰਸਮ ਮਨ ਤੁਥੇ ॥ ੦ ॥ ਤੰਬੰ ਪੰਰੰ ਸਰਸਮ ਮਨ ਤੁਰਤੁਥੇ ॥ ੦ ॥ ਪੰਠੰ ਰੰਠੰ ਮੰ
 ਸਰਸਮ ਮਨ ਤੁਥੇ ॥ ੦ ॥ ਧੰਰੰ ਲੰਵੰ ਸਰਸਮ ਦੇਸਿ ਸੀਤੁਥੇ ॥ ੦ ॥ ਸੰਧੰ ਮੰਦੰ ਸ
 ਰਸਮ ਮਨ ਤੁਥੇ ॥ ੦ ॥ ਲੰਧੰ: ਸਰਸਮ ਮਨ ਲਿਸੀਤੁਥੇ ॥ ੦ ॥ ਫੀਲੀ ਸੀ: ਸ
 ਤੀਧਮ ਰੇ ਸਰਸਮ ਮਨ ਤੁਥੇ ॥ ੦ ॥ ਰੰਤੰ ਮੰ ਮ: ॥ ਮਵ ਕਥਿ ਨੀਧਮ
 ਤੁਥੇ ॥ ੦ ॥ ਮਦਿ ਮਾਮਿ ਪਿਤੁਥੇ ॥ ੦ ॥ ਲੰਧੀ ਸੀ ਧਾਵੈ ਸਿਧਾਨਗ ਰਤੀ ਮ
 ਵ ਮੰਧੀ ਠਿਠਾ ਦਿਸਤੁ ਮਨ ਕੰਤੁਥੇ ॥ ੦ ॥ ਰੰਤੰ ਮੰ ਮ: ॥ ਕੰਗ ਵ ਮਧੁ ਰਿ
 ਸਤਿ ਮੁਥੇ ॥ ੦ ॥ ਐਂ ਮਵ ਵਿਧੁ ਵਿਨੀਸਤਿ ਮੁਥੇ ॥ ੦ ॥ ਮਵ ਕਥਿ ਨੀ
 ਸਤਿ ਮੁਥੇ ॥ ੦ ॥ ਪੰ ਮਵ ਮਨਿ ਸਤਿ ਮੁਥੇ ॥ ੦ ॥ ਰੰ ਵ ਮ ਮੇਦਿ ਸੀਸ

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

संभवप्रियङ्गुदेवीउष्टु॥०॥ संभवमङ्गलकरि॥ देवीउष्टु॥
पंभवकमप्रमदेवीउष्टु॥०॥ संभवमपविभमिनीदेवीउष्टु॥०॥
पंभवमङ्गुमभनीदेवीउष्टु॥०॥ संभवविप्रविगमिनीदेवीउष्टु॥
तंभवामङ्गुमभनीदेवीउष्टु॥०॥ संभवमोङ्गुमयिनीदेवीउष्टु॥०॥
द्वैदभरलीद्वैः॥ पद्मभमङ्गुमभनीदेवीउष्टु॥०॥ संभवमोङ्गुमयिनीदेवीउष्टु॥०॥
मः भवेममिनीमङ्गुउष्टु॥०॥ संभवमोङ्गुमयिनीदेवीउष्टु॥०॥ संभवमोङ्गुमयिनीदेवीउष्टु॥०॥
मः भवेममिनीमङ्गुउष्टु॥०॥ संभवमोङ्गुमयिनीदेवीउष्टु॥०॥ संभवमोङ्गुमयिनीदेवीउष्टु॥०॥
संभवमोङ्गुमयिनीदेवीउष्टु॥०॥ संभवमोङ्गुमयिनीदेवीउष्टु॥०॥ संभवमोङ्गुमयिनीदेवीउष्टु॥०॥

知

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

महायजुर्वेदसंहिता पृष्ठ १३
Acco No: १३

॥ भिद्विप्रगृह्णति प्रगृह्णतीति गृह्णति ॥ ॐ ॥ श्रीभव
कंदमिद्विप्रगृह्णति ॥ ॐ ॥ श्रीद्विप्रगृह्णति ॥ ॐ ॥ ॐ
यवीति गृह्णति ॥ ॐ ॥ श्रीद्विप्रगृह्णति ॥ ॐ ॥ ॐ
उभयद्विप्रगृह्णति ॥ ॐ ॥ श्रीद्विप्रगृह्णति ॥ ॐ ॥ ॐ
यपवंचेति ॥ ॐ ॥ श्रीद्विप्रगृह्णति ॥ ॐ ॥ ॐ
विप्रगृह्णति ॥ ॐ ॥ श्रीद्विप्रगृह्णति ॥ ॐ ॥ ॐ
उद्विप्रगृह्णति ॥ ॐ ॥ श्रीद्विप्रगृह्णति ॥ ॐ ॥ ॐ
महोद्विप्रगृह्णति ॥ ॐ ॥ श्रीद्विप्रगृह्णति ॥ ॐ ॥ ॐ

[illegible]

ਸ਼ੀ.

ति॥ मङ्गलमस्तु॥ मङ्गलमस्तु॥ मङ्गलमस्तु॥ मङ्गलमस्तु॥ मङ्गलमस्तु॥
पुष्पलिङ्गविविधमस्तु॥ मङ्गलमस्तु॥ मङ्गलमस्तु॥ मङ्गलमस्तु॥ मङ्गलमस्तु॥
नमो विष्णवे नमः॥ गङ्गा नदी नमः॥ पतिमिहिवमस्तु॥ मङ्गलमस्तु॥ मङ्गलमस्तु॥
लुभितुं नदी नमः॥ गङ्गा नदी नमः॥ मङ्गलमस्तु॥ मङ्गलमस्तु॥ मङ्गलमस्तु॥
गङ्गा नदी नमः॥ मङ्गलमस्तु॥ मङ्गलमस्तु॥ मङ्गलमस्तु॥ मङ्गलमस्तु॥
मुलमुल्लिखेत्॥ मङ्गलमस्तु॥ मङ्गलमस्तु॥ मङ्गलमस्तु॥ मङ्गलमस्तु॥
मङ्गलमस्तु॥ मङ्गलमस्तु॥ मङ्गलमस्तु॥ मङ्गलमस्तु॥ मङ्गलमस्तु॥
मङ्गलमस्तु॥ मङ्गलमस्तु॥ मङ्गलमस्तु॥ मङ्गलमस्तु॥ मङ्गलमस्तु॥

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

गवतुभ्रमः भवंतुनाएतं॥ सषकेम विवीधुतपीठकवतिभ्रमं
मयतिउतुवाछेवत्रैकवमैरज्ञालमत्रैकदीतिभदेवमठगवानं
हृभकेनरसुठेनमहुस्तयभपमयेग॥ प्रवेस्यसराष्ट्रपुभकंगु
गतिभ्रमं॥ तिरमः सिरमसितयएधमइलेपमकेनहुइप्र
तिमिरवंधप्रैतिकुलहुप्रैतियरदम॥ उद्विष्टः परभंपरम
मथसुतिभ्रमय॥ दिवीवमहुगुतंतुद्विप्रभाविपष्टवैरगवंधमः
ममिउतेविष्कंदममपमम॥ विष्कः मवतैभाएष्टमदेयषापल
लपेनमेउपुतभवापुंठमिगिंतुष्टप्रममिडि॥ विष्कंदममपमं॥

ॐ प्रणिपत्य गीतं भगवतः श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ भगवन्महेश्वर भगवन्महेश्वर
 भगवन्महेश्वरः भगवन्महेश्वरः भगवन्महेश्वरः भगवन्महेश्वरः ॥ ॐ नमः
 भगवन्महेश्वरः भगवन्महेश्वरः भगवन्महेश्वरः भगवन्महेश्वरः ॥ ॐ नमः
 भगवन्महेश्वरः भगवन्महेश्वरः भगवन्महेश्वरः भगवन्महेश्वरः ॥ ॐ नमः
 भगवन्महेश्वरः भगवन्महेश्वरः भगवन्महेश्वरः भगवन्महेश्वरः ॥ ॐ नमः
 भगवन्महेश्वरः भगवन्महेश्वरः भगवन्महेश्वरः भगवन्महेश्वरः ॥ ॐ नमः
 भगवन्महेश्वरः भगवन्महेश्वरः भगवन्महेश्वरः भगवन्महेश्वरः ॥ ॐ नमः
 भगवन्महेश्वरः भगवन्महेश्वरः भगवन्महेश्वरः भगवन्महेश्वरः ॥ ॐ नमः

ॐ नमः शिवायः भमवदलभभुतेभद्राप्रतिपद भणभनिभोगे वमति ॥ ग
नं देति इष्टेन प्रवेत्तमना भवने कले रग पतिमहत्तु गल्म
दं प्रोति ॥ सुषगायत्री भाविशी भगवती धरापामा क प्रोता उयभव
भिमं ह पुं ॥ पिरागी सरि विदु दे की कभे सरिणी भदि भो उवः सक्तिः
प्रमोदयामि ति ॥ गायत्री प्रातः भाविशी भगवती भगवती भगवती भगवती
निरालम्भ भणपामः ॥ ॐ नमः ॥ भाद्रकपल्ल सङ्कल विगुदे लकगमि
ककातेन प्रोति ॥ उवनपरिसा मुलि कचं मि उडेवठर गी भवठ
प्रति ॥ नमः शिवायः भमवदलभभुतेभद्राप्रतिपद भणभनिभोगे वमति ॥ ग

निहंमेवी भुंतिममचंपटि भिभउडंराकृति यपवंवमेतिमदेपनि
धग ॥ **उडच** **येडेपुपनिध** **उकी** **उंरभभिप्रममदे** ॥
उंमेवा दवेकगवउमइवइमिनः कषेउंइएंक्रिया कइ विधयेई
प्रमभिहवपरभंनिचिधयंकषयमेतिउंइवागकगवान ॥ उंयंभा
ययानिमिधुं पंगवइति पमं प्रनधं मिहू पपम इति मुंतामता मु
धुइधु सुमिधु विहूग मवेधं प्रनधं मभतुंग प्रनधः मसुइति
इयः ॥ उंलेक नवेमन वमः पमवेन पमवः तापम तापमः प्रकम
प्रव मप्रकम विप्रनविधः म विहं मे विहं मः ॥ उंइव मप्रपंगव

लो

द्रविठतिविचा॥ वउरुमेवावदधयेन पितरैरविषयाः॥ ७८६॥ प्रविष
 उं प्रउतिवसुं भवं विदुः॥ विमृतां सति धयं विदुं मनः कदं भभद्रा॥ यउ
 निविषयभ्राभुभनमभभक्तिविष्टु॥ ॥ ॥ भवोदेवि विष्टुं सुदुं स' सु
 दूभेन स॥ यमुदुं कभभद्रलु सुदुं कभविष्टुं भिउभा॥ ७८७॥ भवपवभ
 नष्टा॥ क॥ र॥ भ॥ य॥ ॥ वरु॥ विषयभभक्तै भक्तिविषयं भनः ३
 विभुविषयभभक्तै भक्तिविष्टुं भि॥ विभुविषयभभक्तै भक्तिवि
 पयं भनः॥ ७८८॥ यम॥ य॥ इ॥ म॥ री॥ क॥ व॥ उ॥ म॥ व॥ प॥ ग॥ म॥ प॥ द॥ भ॥ ॥ उ॥ व॥ म॥ द॥ नि॥ री॥ इ॥ ह॥ य॥
 वमुदिनाउं दयभा॥ ७८९॥ य॥ म॥ द॥ य॥ म॥ प॥ न॥ म॥ री॥ प॥ री॥ इ॥ य॥ उ॥ वि॥ भु॥ ग॥ ॥ री॥ वि॥ भु॥

श्रीः

रमापिडुंठुंमकहमेवम ॥५॥ पदापाउविनिमृजंरुद्रमंपहुत
धयभा ॥ धरो ॥ मरुयेडुनिमधुगंठवयेरुम ॥७॥ मधुगंठुठ
देनरठवेठवउष्टु ॥ उमेव विमलंरुद्राविक्कलं निगल्लरमा ॥१॥
उरुद्रदमिडिउरुद्रममपुतउरुम ॥ निविक्कलमरमुष्टुद
उरुष्टुउवलितभा ॥३॥ मधुमेयमरुमयहुतममुतेवणः ॥ नि
गैरमेयडिउरुवेरमभाणकः ॥७॥ मधुमधुमधुमधुमिडिउपापर
मकुत ॥ एकपवाधुमउहृएगुमुप्रमधुपुष ॥०॥ ऊरुइयहुती
ष्टुप्रालीमरविडुते ॥ एकपवाधुमउहृएगुमुप्रमधुपुष ॥०॥

लल

पकमवद्रणमैरम सुउम सुवग ॥ ५ ॥ मंचउभकमंविउभरे ॥ ५ ॥
ऐयषा ॥ ७ ॥ ५ ॥ ऐलीयेउरक संउवृणीवेरेठेपमः ॥ ५ ॥ एवद्विवि
णकरंविउभरे ॥ ५ ॥ ऐप्रनः ॥ ७ ॥ उदुमेरामएरातिमंएरातिमविउ
मः ॥ मममयाचउयंदउवडि ॥ ५ ॥ तिर्विललः ॥ ७ ॥ ठिनेउभमिसेक
५ इभंलपवारपहृति ॥ ममंलंपरमंइद्रउमिंहीरेयमदरभा ॥ ७ ॥
उद्विउरवरंएयहृमीकं कतिभदरः ॥ इवृद्रनीवेदिउहृमवृ
म्री ॥ प्रपरंमयउ ॥ मवृवृद्रलिर्विउतः परवृद्रणिगमुति ॥ ७ ॥ उमहृ
मउउंमैणवीइउदरः ॥ ७ ॥ ५ ॥ नमिगणहृजीहृएद्रुउममेधउ ॥ ग

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

भउरै भा विमति॥ ७॥ उ चै हलं हलति हलति रिचै सैन भण सैन
भा भउत दू लो दुग॥ सुननं भे मरं हलति रिचै सैन भण सैन
५॥ ३॥ या भि भे रोपे मर मर रिचै भे भि विधु पा भि गु अ भि
प्रकृ ग॥ पउ इयं प्रकं प्रकृ अ मर प्रकं उ म मर मर मर॥ ४॥ भ
यति क भा रिनी मर ल म मर ग भा म मरी सु वि मर॥ ल ए व गी
उ भि रिधु म प्र म ल द्वा म मर लि उ ल प्र यती॥ ५॥ उ भे वि द्वा
गु व प य म म उ म रि धु म उ द यं ती भु नी ० भा॥ ६॥ क ह प्र म म
उ व म जी प रं म म इ प रं म वि म ति॥ ७॥ क म य विः क म ल व द्वा

५॥ निनुददभभाउरिचःशमिभुः॥ निनुदभकलभयय
 परेष्टेधविश्वभउमिदिभुः॥ ३॥ सुषधधुंमपुममववदि
 विमभुअलडिकभावेयउः॥ कष्टंरविकलकंकभभा ॥ ३॥
 पुवाभेनउडंनराउः॥ ४॥ परमदइपरंविश्वभाद्रवेगोपपरमष्टं
 उमीपुः॥ ५॥ उडमिधधुकिभमपुद्रादिभुमधेदमकंपरमष्टंतिठ
 डि॥ ०॥ इमभलदभुनरभभकंभापेमाषशीनिगुदभदरवि
 कभीकलंकभभापामिदिभुपरैयउकं॥ ६॥ इमभकभा॥ ७॥
 रिष्टंनभाभुंनलेनउविद्येतिःभपुविष्टंन॥ निवेदयभाउ

श्री

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

प्रातः पान पत्र

[illegible]

吳

५१ कलिक मुष्टया प्रिके ॥ इके ॐ नवके ॐ पद्मं गमं हलयाद्
भक्तं कर्मि मंलयाद् भा ॥ ॐ कली का गलिरी कल ज न जल वि
ॐ ॐ रो वि प्र मि ड उ ग उ ग प्र क मी भा गी ला पा न न ला क भा इ म म्
मि ड प्र य म प प्र के ॐ गा ॥ वृद्ध ॐ न ग य ॐ भा दे प्र गी के भा गी ॥
मा भु क्ता वा ग दी रा ग मि दौ ले मी मा प्र प ह ॥ द्वितीय गतः प प्र वे क
म म् ॐ मे ने तिल या द भा ॥ उ अ ले वा वा ड ॐ उ ने व म् ए पं य प नं म त्रं
ग म् ॐ ले य मे र व ल म् भा व ड य ति म पा प्र न र ग ति ॥ म् प्र ग नि म प
प्रि मं द म् र ॥ क वि वं म ड ति प्र क्ती नं सि प्र न र ए पा नं मि प्र य इ द्म

मा ॥ लि ॥ पात ॥

1000 N 8
896

मन्त्र उतिउ कलिनी म सुभा भव पापैः प्रभु प्रते ॥ भव भय पा उ क उः
प्रते क उ भव भव मि द्वि ग व केवलं ठे ग रे क व ति ॥ उं ठे ग व द धिः उ
क्रिया क उ ॥ कलि क म वं ग मि क उ ज पा वि द्वि य ग उ डे वं ज मि क उ
क उ भ वं म ड ल भ व उ ॥ म प्र च म वं वि क प्र व म म कं ड यं म म
ति उं वा ए पं ग ॥ उ भु भि न ग ग ति दे मि कं उ ड ज ॥ ॥ ॥ उ ड व च म द
पु मे ग एक क क लि कं प वि ध म् भा उ ति उ ड म ॥ श्री गुरु क हे र मः
उं म प्र च म वि ड म् भा उ ति उ ड म ॥ भि द म् क व म
प न द्वि द्वि ॥ प प्र ण ड म् च उ पा ॥ पि ङ्गी ए म न उ ड कं म द ॥ प उ ड ड

विह

ममिहृष्टाङ्गं॥ भवेत्त्रिंशत्संनयनं प्रणमं॥ पञ्च निरुद्धः कदाः पञ्च विदि
गन्करः॥ भवेत्साम्भवीङ्गं॥ सुभ्रयैरविहृते॥ पुनरुक्तः॥ भवेत्तु
गवद्विहृते गमन्मिहृते॥ भवेत्त्रिंशत्संनयनं॥ पञ्च कष्टं ननु दत्तं॥ ननु दत्तं
मुमभुधं॥ अष्टयं ननु यत्तु यत्तु॥ किमप्युक्तं ननु वयं ग॥
ममिहृष्टाङ्गं॥ अष्टयं ननु यत्तु यत्तु॥ किमप्युक्तं ननु वयं ग॥
वयं ग॥ अष्टयं ननु यत्तु यत्तु॥ किमप्युक्तं ननु वयं ग॥
वयं ग॥ अष्टयं ननु यत्तु यत्तु॥ किमप्युक्तं ननु वयं ग॥
वयं ग॥ अष्टयं ननु यत्तु यत्तु॥ किमप्युक्तं ननु वयं ग॥
वयं ग॥ अष्टयं ननु यत्तु यत्तु॥ किमप्युक्तं ननु वयं ग॥
वयं ग॥ अष्टयं ननु यत्तु यत्तु॥ किमप्युक्तं ननु वयं ग॥

श्री.

गीय ॥ मेपेवैएडरउवेदवि ॥ पट्टविश्वं ॥ मिषरभपेडिभेप्रिदे
 इठलभभुता ॥ रतिष्ठुवियमे ॥ रनियभभेदः ॥ केलप्रतिष्ठुंऊदग
 भभेठवेग ॥ पठमेतानिभ्रइ ॥ प्रपकडयकलिकः ॥ सुल्लमिडि
 भवापेडिउडाएपमभ्रगी ॥ यडगायविदीनेपिप्रएंरऊनउय
 मि ॥ यमिहोभ्रभभेतामीहतिरऊनवने ॥ ॐतिमीकैलेपनि
 धडभप्रतिष्ठुमा ॥ ॐभःमिवाय ॥ ॐसुषऊभरःधभ्र
 पिठगवउपरमभ्रपप्रऊ ॥ अणीदिठगवा ॥ कषंनऊहोशुतिः
 किंउसु ॥ मिडि ॥ भदेवमठगवा ॥ ॥ पगदिप्रमदभा

50397

लिङ्गं क्वं॥ उहैणालरिन्नेकुभैरिपतिउः॥ उहैणालरिन्नेकुभैरिपतिउः॥ उ
 धंनभैरिपतिउः॥ उहैणालरिन्नेकुभैरिपतिउः॥ उहैणालरिन्नेकुभैरिपतिउः॥ उ
 दभैरिपतिउः॥ उहैणालरिन्नेकुभैरिपतिउः॥ उहैणालरिन्नेकुभैरिपतिउः॥ उ
 हैणालरिन्नेकुभैरिपतिउः॥ उहैणालरिन्नेकुभैरिपतिउः॥ उहैणालरिन्नेकुभैरिपतिउः॥ उ
 हैणालरिन्नेकुभैरिपतिउः॥ उहैणालरिन्नेकुभैरिपतिउः॥ उहैणालरिन्नेकुभैरिपतिउः॥ उ

श्री.

SERIES